प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में जल-शक्ति अभियान के तहत भारत सरकार की संयुक्त सचिव के साथ आयोजित हुई बैठक

श्रीमती अलका एन. अरोड़ा ने कहा, जल-संचयन के लिए जन-सहभागिता सबसे अहम

दीव 17 जुलाई, 2019: आज दीव समाहर्तालय के सभागार में भारत सरकार द्वारा जल-शक्ति अभियान के तहत दीव जिले के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी श्रीमती अलका एन. अरोड़ा ने दीव समाहर्ता तथा दीव जिला प्रशासन के नोडल अधिकारियों और कार्यालयाध्यक्षों के साथ बैठक की। भारत सरकार की संयुक्त सचिव ने उप-सचिव और तकनीकी सहायक के साथ इस बैठक में हिस्सा लिया।

बैठक में जिला समाहर्ता ने सर्वप्रथम उपस्थित अधिकारियों का परिचय देते हुए जल-शक्ति अभियान के लिए दीव जिला प्रशासन द्वारा उठाये गये कदम को पावर-प्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी बताया कि जिला प्रशासन पारंपरिक जल-स्रोतों जैसे कुंआ, तालाब, पोखर, झील आदि के नवीकरण के लिए कार्यरत है। इसके अलावा पौधे लगाने का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। वैज्ञानिक तरीके से वर्षा जल को संचित करने हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। दीव नगरपालिका परिषद एवं समस्त पंचायतों को जल-संरक्षण करने हेतु कहा गया है। प्रत्येक निर्माण में इस बात पर बल दिया जा रहा है कि नैसर्गिक जल-स्रोतों को कोई नुकसान न हो। भू-जल स्तर को उन्नत करने की दिशा में कार्य करते हुए जिला प्रशासन ने सभी होटल मालिकों को निर्देश दिये हैं कि वे प्रयुक्त जल को साफ कर उसका पुन: प्रयोग करें। यह प्रयोग उद्यानों के सिंचने में किया जाना चाहिए। वर्षा जल को संचित करने के लिए प्राकृतिक जल-स्रोतों के रिचार्जिंग का कार्य भी किया जा रहा है।

बैठक में केन्द्र सरकार के नजरिये को बताते हुए श्रीमती अलका एन. अरोड़ा ने बताया कि जल-संकट पूरे विश्व के लिए एक जटिल समस्या बनकर उभरा है। भारत भी इस समस्या से अछूता नहीं है। भारत के कई जिले जल-संकट से जूझ रहे हैं। अगर जल-संचयन का कार्य आरंभ नहीं किया गया तो आने वाले समय में पूरा देश इस समस्या से ग्रसित हो जाएगा। जल-शक्ति अभियान भारत सरकार का अति प्राथमिकता वाला अभियान है, जिसकी अगुवाई स्वयं भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं। आने वाले 22 जुलाई को इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर की चर्चा होनी है। श्रीमती अलका अरोड़ा ने बैठक में आगे बताया कि इस अभियान में जितने भी नोडल अधिकारी तैनात किये गये हैं वे सभी पूर्ण मनोयोग एवं निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। उन्होंने नोडल अधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि आप जो भी कार्य करें, उसकी रूपरेखा और उसपर की गई कार्रवाई को अवश्य रिकार्ड करते हुए तस्वीर के साथ वेबसाईट पर अपलोड करें। तस्वीर कार्य आरंभ करने से पूर्व और कार्य समाप्त होने के बाद लेकर उसे बेबसाईट पर अपलोड करना है। इस अभियान में जिला रेंकिंग को सुधारने के लिए भी यह अत्यंत अहम है। उन्होंने कहा कि जल-संरक्षण के लिए जन-जागृति नितांत आवश्यक है। लोगों की सहभागिता से ही पारंपरिक जल-स्रोतों और जल-संरक्षण अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

OFFICE OF THE COLLECTOR-DIU
CONFERENCE HALL
COLLECTORATE-DIU